क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 05, सोमवार, 28 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राजस्थान में 20 फरवरी तक उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है कांग्रेस

नयी दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए राजस्थान में 'मिशन 25' पर काम कर रही कांग्रेस उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है और 20 फरवरी तक सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कुछ दिनों के भीतर ही संभावित उम्मीदवारों के नाम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) के पास भेज दिए जाएंगे। कांग्रेस महासचिव और राजस्थान प्रभारी अविनाश पांडे ने इसकी पुष्टि की है कि राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है और अगले महीने नामों की घोषणा की जा सकती है।

लोकसभा चुनाव 2019 : वरिष्ठ भाजपा नेता बाबू लाल गौर ने ठुकराया कांग्रेस का ऑफर

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की ओर से भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बाबू लाल गौर के जरिए की जा रही सेंधमारी की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री गौर ने साफ कर दिया है कि उन्होंने कांग्रेस के ऑफर को ठुकरा दिया है। पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने गौर से मुलाकात कर भोपाल संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था। उसके बाद से सियासी हलचल तेज थी। अब गौर ने रविवार को साफ कर दिया कि उन्होंने कांग्रेस के ऑफर को ठुकरा दिया है।
दिग्विजय सिंह ने दिया था भोपाल सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने का ऑफर
बाबू लाल गौर ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'दिग्विजय सिंह ने ऑफर दिया था, जिस पर विचार करने को कहा था, अब उस ऑफर पर कोई विचार नहीं है, ऑफर को ठुकरा दिया है।'

राहुल में एक अच्छा प्रधानमंत्री बनने के सभी गुण मौजूद: तेजस्वी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी में एक अच्छा प्रधानमंत्री बनने के लिए आवश्यक सभी गुण मौजूद हैं और उनके नेतृत्व पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर कांग्रेस नेता की छवि धूमिल करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने का आरोप भी लगाया। देश का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा ? इस मुद्दे पर हालांकि तेजस्वी यादव ने कहा कि 2019 में लोकसभा चुनाव के बाद महागठबंधन के घटक दल सामूहिक रूप इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व पर कभी भी कोई सवालिया निशान नहीं लगा।
राजद नेता ने एक साक्षात्कार में कहा, 'अपने खिलाफ चलाये गये इतने लंबे नकारात्मक अभियान के बाद भी, उन्होंने (गांधी ने) अपनी दृढ़ता, दयालुता और बड़े दिल से लोगों का दिल जीता है।'' यादव ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में तीन प्रमुख राज्यों ... राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की जीत ने पार्टी और उन 69 प्रतिशत मतदाताओं के मन में आत्मविश्वास और ऊर्जा की भावना भर दी है जिन्होंने 2014 में नरेंद्र मोदी को वोट नहीं दिया था। यह पूछा गया कि क्या गांधी के पास एक अच्छा प्रधानमंत्री बनने के सभी गुण हैं? इस पर बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, ''हाँ ! उनके पास सभी गुण हैं, वे भारत की सबसे पुरानी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और पिछले 15 वर्षों से संसद सदस्य हैं। मत भूलिए कि उनकी पार्टी से देश में पांच मुख्यमंत्री हैं और वह उनका नेतृत्व कर रहे हैं। इसलिए, उनके (गांधी के) नेतृत्व और गुणों पर कोई सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए।'' गौरतलब है कि पिछले महीने, कांग्रेस के बड़े सहयोगियों में से एक, द्रमुक के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से कहा था कि नरेंद्र मोदी सरकार को हराने के लिए एकजुट विपक्ष को प्रधानमंत्री पद के अपने उम्मीदवार के तौर पर कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी को मैदान में उतारना चाहिए। इस बयान को लेकर स्टालिन की आलोचना की गई थी, लेकिन वह अपने विचारों पर अडिग रहे।

पीएम मोदी ने मदुरे में रखी एम्स की आधारशिला, कहा- गरीबों का बेहतर इलाज पहली प्राथमिकता

व्यापक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है एनडीए सरकार: मोदी

मदुरै। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राजग सरकार व्यापक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी के तहत देश के विभिन्न हिस्सों में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) की स्थापना किये जाने के लिये कदम उठाये गये है। मोदी ने यहां के निकट थोप्पुर में एम्स की आधारशिला रखने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में केन्द्र ने कई कदम उठाये है। राज्य में 1,264 करोड़ रुपये की लागत से एम्स की स्थापना होगी और राज्य में इस तरह की यह पहली सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि एम्स ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है।

उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली में एम्स ने स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में खुद का एक नाम बनाया है और मदुरै में एम्स के आने से '' हम कह सकते हैं कि स्वास्थ्य देखभाल के इस ब्रांड को कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर और मुदरै तक, गुवाहाटी से गुजरात तक देश के सभी हिस्सों में ले जाया जा रहा है।'' उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रस्तावित एम्स से पूरे तमिलनाडु का फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''राजग सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को विशेष तौर पर प्राथमिकता दे रही है ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ रहे और स्वास्थ्य देखभाल सस्ती हो।'' मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत सरकार ने देशभर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सुधार किये जाने का समर्थन किया है। उन्होंने मदुरै, तंजावुर और तिरुनेलवेली में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का भी उद्घाटन किया। इन ब्लॉक में उच्च स्तरीय नैदानिक उपकरण और दूसरी सुविधाएं होंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार के मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का उद्घाटन करते हुए उन्हें खुशी है। उन्होंने केन्द्र सरकार की स्वास्थ्य योजना मिशन 'इंद्रधनुष' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''आज, मैं तमिलनाडु में 12 पासपोर्ट कार्यालय सेवा केन्द्रों को समर्पित करते हुए खुश हूं और यह पहल हमारे नागरिकों के लिए जीने की सुगमता को बेहतर बनाने का एक और उदाहरण है।'' यहां प्रस्तावित 750 बिस्तरों वाले आधुनिक एम्स का निर्माण कार्य पूरा होने पर 100 एमबीबीएस छात्र भी यहां पढ़ सकेंगे। मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने तमिलनाडु को एम्स की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने केन्द्र से पिछड़े रामनाथपुरम जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना किये जाने आग्रह किया।

चंदा कोचर मामला /केस दर्ज करने वाले अफसर का तबादला, सीबीआई ने कहा- उनका रोल संदिग्ध

नई दिल्ली। एजेंसी

सीबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक मामले में जांच अधिकारी का स्थानांतरण कर दिया क्योंकि गोपनीय पड़ताल में यह पाया गया कि अधिकारी जांच से जुड़ी सूचनाएं लीक कर रहा था। अधिकारियों ने रविवार को इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर, उनके पति दीपक और विडियोकॉन ग्रुप के एमडी वेणुगोपाल धूत के खिलाफ 22 जनवरी को मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के एक दिन बाद पुलिस अधीक्षक सुधांशु धर मिश्रा का तबादला रांची कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मामले का कार्यभार नये जांच अधिकारी मोहित गुप्ता को दी गयी है।स्थानांतरण को उचित ठहराते हुए सीबीआई ने मिश्रा को शुरूआती जांच (पीई) को बेवजह अटकाए रखने के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

अधिकारियों ने कहा कि कुछ समय पहले समीक्षा के बाद शुरूआती जांच तेज की गयी और इसे नियमित मामले में तब्दील किया गया। मामले के दर्ज होने के तुरंत बाद जांच शुरू की गई। अधिकारियों ने दावा किया कि तलाशी के संबंध में सूचनाएं लीक किए जाने के संदेह था। उन्होंने कहा कि गोपनीय जांच की गयी और सुधांशु धर मिश्रा की भूमिका पर शक हुआ। इसलिए मामले की गंभीरता को देखते हुए उनका स्थानांतरण कर दिया गया।

चॉकलेटी चेहरों के बूते लोकसभा चुनाव लड़ना चाहती है कांग्रेस: कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। सक्रिय राजनीति में प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रवेश पर भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने गांधी परिवार की इस सदस्य की तुलना करीना कपूर और सलमान खान जैसे फिल्मी सितारों से की। इसके साथ ही उन्होंने तंज किया कि कांग्रेस इन बॉलीवुड कलाकारों के 'चॉकलेटी चेहरों' के बूते अगला लोकसभा चुनाव लड़ना चाहती है। विजयवर्गीय ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, 'कभी कोई कांग्रेस नेता मांग करता है कि करीना कपूर को भोपाल से लोकसभा चुनाव लड़वाया जाये, तो कभी इंदौर से चुनावी उम्मीदवारी को लेकर सलमान खान के नाम पर चर्चा की जाती है। इसी तरह, प्रियंका को कांग्रेस की सक्रिय राजनीति में ले आया जाता है।'

उन्होंने भोपाल और इंदौर लोकसभा सीट से क्रमश: करीना और सलमान को चुनावी मैदान में उतारने की कुछ कांग्रेस कार्यकताओं की मांग को लेकर किये गये प्रश्न पर कहा, 'अगले लोकसभा चुनाव के मैदान में उतारने के लिये कांग्रेस के पास मजबूत नेता नहीं हैं। इसलिये वह ऐसे चॉकलेटी चेहरों के माध्यम से चुनाव लड़ना चाहती है।' पूर्वी उत्तरप्रदेश की प्रभारी कांग्रेस महासचिव के रूप में राजनीति की मुख्यधारा में प्रियंका के प्रवेश को लेकर विजयवर्गीय ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल उठाये। भाजपा महासचिव ने कहा, 'अगर कांग्रेस में राहुल के नेतृत्व के प्रति आत्मविश्वास होता, तो प्रियंका को सक्रिय राजनीति में नहीं लाया जाता।' विजयवर्गीय ने अपने गृहराज्य मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि वह आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर किसानों को भरमाने के लिये कृषि ऋण माफी का नाटक कर रही है। उन्होंने कहा, 'कमलनाथ सरकार पहले हमें यह बताये कि क्या उसके खजाने में 40,000 करोड़ रुपये हैं जिनके जरिये वह किसानों का कर्ज माफ करने की नौटंकी कर रही है।' विजयवर्गीय ने एक सवाल पर कहा कि अगर कमलनाथ नीत कांग्रेस सरकार ने शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की कोई भी गरीब हितैषी योजना बंद करने की कोशिश की, तो भाजपा नेता ईंट से ईंट बजा देंगे।

पटना में राहुल दिखाएंगे अपना दम, जुटेंगे महागठबंधन के नेता

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए बिहार में सीटों के बंटवारे पर बातचीत अब तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई है लेकिन कांग्रेस को उम्मीद है कि तीन फरवरी को पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी की रैली होने के बाद सीटों के तालमेल पर जल्द निर्णय हो जाएगा। पार्टी ने गांधी मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष की 'जन आकांक्षा रैली' के लिए राजद के तेजस्वी यादव और महागठबंधन के दूसरे प्रमुख नेताओं को आमंत्रित किया है। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर जारी बातचीत से अवगत एक कांग्रेस नेता ने कहा, 'अब तक की बातचीत में सीटों को लेकर सहमति नहीं बन सकी है। उम्मीद है कि कांग्रेस अध्यक्ष की रैली के बाद सीट बंटवारे से जुड़े मुद्दों को हल कर लिया जाएगा और जल्द निर्णय हो जाएगा।'

उधर, कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने कहा, 'राहुल जी की रैली के बाद हम बैठेंगे और सीटों के बंटवारे के बारे में उचित समय पर घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा, 'राजद के साथ गठबंधन को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। हमारा गठबंधन विश्वास पर आधारित है। 1998 से हम साथ हैं।' सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ सप्ताह में हुई बातचीत के दौरान कांग्रेस ने अपने लिए 15 सीटों पर जोर दिया, लेकिन कई नए सहयोगियों के साथ आने के कारण राजद उसकी इस मांग पर तैयार नहीं है। दरअसल, इस बार कई और पार्टियां महागठबंधन में शामिल हैं। इनमें उपेंद्र कुशवाहा की रालोसपा, पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी की पार्टी 'हम', मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी और शरद यादव की पार्टी लोकतांत्रिक जनता दल शामिल है। वाम दलों के भी महागठबंधन में शामिल होने के आसार हैं।

इस बीच, कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत राहुल गांधी की रैली को सफल बनाने पर लगा दी है। पार्टी 28 वर्षों के बाद इस ऐतिहासिक मैदान में अपने दम पर कोई रैली करने जा रही है। गोहिल ने कहा, 'इस रैली के लिए हमने तेजस्वी यादव, मांझी और दूसरे सहयोगी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया है।' यह पूछे जाने पर कि क्या सीटों के बंटवारे पर निर्णय से पहले कांग्रेस इस रैली के जरिये शक्ति प्रदर्शन करने जा रही है, तो उन्होंने कहा, 'इस रैली का सीटों के बंटवारे से कोई लेनादेना नहीं है। हम सभी सहयोगियों को मिलकर भाजपा से लड़ना है और उसे हराना है।'

सोशल मीडिया के जरिये लोकसभा चुनाव की तैयारी को धार देगी भाजपा

सोशल मीडिया के महत्व को देखते हुए भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव में जीत के लिये इस प्लेटफार्म पर अपनी गतिविधियां बढ़ाने के उद्देश्य से विस्तृत योजना तैयार की है जिसमें एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'नमो एप' का उपयोग करने के गुर सिखायेंगे तो दूसरी ओर फरवरी के अंत में करीब 10 दिनों तक अलग अलग क्षेत्रों में आईटी कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि 2 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो एप के माध्यम से पूरे देश के आईटी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे तथा उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी की महत्ता पर जरूरी सीख भी देंगे।

भाजपा ने 21 फरवरी से 3 मार्च तक अलग अलग क्षेत्रों में आईटी कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित करने का कार्यक्रम रखा है । इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी ने हर बूथ पर सोशल मीडिया कर्मियों की टीम बनाई है और हर टीम में सोशल मीडिया के खासे जानकार कम से कम पांच पार्टी कार्यकर्ता हैं। इस पहल का मकसद सरकार की जन कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों तक पार्टी की पहुंच बनाना है। इसके तहत लाभार्थियों की सूची कार्यकर्ताओं तक पहुंचायी जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि सरकार की जन कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों की सूची क्षेत्र के कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने का काम अंतिम चरण में है ।उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया सम्मेलनों में आईटी विभाग के मंडल स्तर तक के कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके लिये पार्टी एक से आठ फरवरी तक सोशल मीडिया वालंटियर्स पंजीकरण अभियान चलायेगी ।सोशल मीडिया की ऐसी टीम का गठन किया जा रहा है जो लोकसभा चुनाव 2019 के लिए समय-समय पर संदेश भी तैयार करेगी।पार्टी ने समर्पित व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के साथ साथ हर जिले में पार्टी का एक फेसबुक पेज भी चुनाव के उद्देश्य से बनाया है।

अयोध्या मामला : सुप्रीम कोर्ट में 29 जनवरी को होने वाली सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या मामले पर 29 जनवरी को होने वाली सुनवाई टल गई है। 2 दिन पहले ही सीजेआई रंजन गोगोई ने अयोध्या मामले की सुनवाई के लिए 5 सदस्यीय नई संवैधानिक बेंच का गठन किया था। सुप्रीम कोर्ट के अडिशनल रजिस्ट्रार लिस्टिंग की ओर से रविवार को जारी नोटिस के मुताबिक संवैधानिक बेंच में शामिल जस्टिस एस. ए. बोबडे 29 जनवरी को मौजूद नहीं रहेंगे, इस वजह से मामले की सुनवाई नहीं होगी। जस्टिस यू. यू. ललित के मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने के बाद नए बेंच का गठन किया गया है। पहले से सुनवाई की तारीख 29 जनवरी तय की गई थी अब ये तारीख कैंसल कर दी गयी है इसके बाद नई तारीख तय की जाएगी। बता दें कि चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने अयोध्या मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार को नई संवैधानिक बेंच का गठन किया। नई बेंच में जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस अब्दुल नजीर को शामिल किया गया है। बेंच के तीन अन्य जजों में CJI, जस्टिस एस. ए. बोबडे और जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ शामिल हैं। इससे पहले, अयोध्या मामले के लिए गठित पुरानी बेंच से जस्टिस यू. यू. ललित ने खुद को दूर कर लिया था, जिसके बाद सीजेआई ने नई बेंच का गठन किया।

संपादकीय

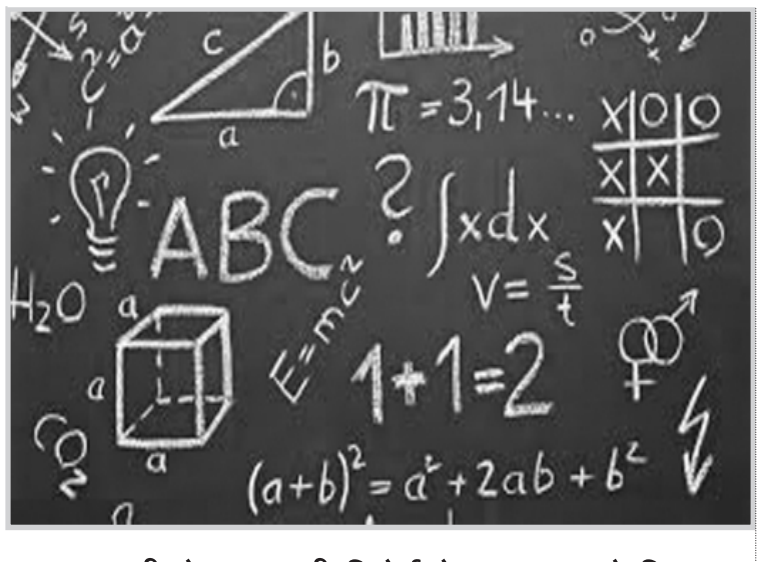

एनजीओ प्रथम की रिपोर्ट में कहा गया है कि आठवीं क्लास से पासआउट होने वाले आधे से अधिक बच्चे सामान्य गणित तक नहीं हल कर सकते। वहीं एक चौथाई बच्चे तो पढ़ तक नहीं सकते हैं। यह हालत इसलिए है क्योंकि हम पढ़ाई का तरीका बदलने पर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। आज यदि देश के स्कूल गणित की पढ़ाई में फिसड्डी साबित हो रहे हैं, तो इसकी चिंता सभी पक्षों को मिलकर करनी होगी।

गणित को लेकर बच्चों में डर क्यों?

सवा सौ साल पहले तमिलनाडु के इरोड में जनमे महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की पारिवारिक पृष्ठभूमि गणित की नहीं थी। जिस पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में वे थे, उसमें गणित के क्षेत्र में उनका कोई मददगार भी नहीं था। पर औपचारिक पढ़ाई बीच में छोड़ देने वाले रामानुजन ने लंदन के ट्रिनिटी कॉलेज में प्रोफेसर लिटिलवुड के साथ मिल कर किए शोधकार्यों और प्रोफेसर हार्डी के निर्देशन में गणित की नई स्थापनाओं के जरिए पूरे संसार में हलचल मचा दी थी। रामानुजन की प्रतिभा के मद्देनजर 28 फरवरी-1918 को रॉयल सोसायटी ने उन्हें अपना सदस्य बना कर सम्मानित किया और ट्रिनिटी कॉलेज ने भी उन्हें अपना फैलो चुना। 'हाइली कंपोजिट नंबर' शीर्षक के अनुसंधान-कार्य ने उन्हें न सिर्फ पहले बीए और फिर पीएचडी की उपाधि दिलाई, बल्कि उनके शोध-प्रबंध का सार 'जर्नल ऑफ लंदन मैथेमैटिकल सोसाइटी' में छपा- जिसके बारे में दावा है कि उस समय तक ऐसा विद्वत्तापूर्ण आलेख उस जर्नल में नहीं छपा था। गणित में भारतीय मेधा के रूप में रामानुजन का उल्लेख आज के संदर्भ में इसलिए जरूरी हो जाता है कि एक ओर दुनिया में फिर से गणित की उपयोगिता का दायरा बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर शून्य के आविष्कारक देश के रूप में प्रतिष्ठित भारत में इस विषय को लेकर कोई सनसनी नहीं दिखती।

यहां तक पिछले साल जब भारतीय मूल के प्रतिभाशाली गणितज्ञ मंजुल भार्गव को मैथमैटिक्स का फील्ड्स मेडल दिया गया, तो भी यह सवाल लोगों के जेहन में गूंजता रहा कि क्या ये उपलब्धियां भारतीय बच्चों और युवाओं में गणित के प्रति कोई उल्लेखनीय लगाव पैदा कर पाएंगी। दुनिया में फील्ड्स मेडल को नोबेल के समकक्ष माना जाता है और विशेषज्ञों का मत है कि इसे हासिल करना नोबेल पाने से भी ज्यादा कठिन है। पर जहां तक गणित के क्षेत्र में भारतीय मेधा का सवाल है, एक से बढ़ कर एक उदाहरण होने के बावजूद युवाओं में गणित से दूर भागने का रुझान दिखाई देता है। एनजीओ प्रथम की हाल में आई रिपोर्ट इसी तथ्य को इंगित करती है। आज भले ही देश में शिक्षा का अधिकार लागू होने से भले ही इस बात की आश्वस्ति मिल गई हो कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे स्कूल में पढ़ें और कम ही स्कूल छोड़ने पर मजबूर हों। लेकिन सच्चाई यह है कि आठवीं क्लास से पासआउट होने वाले आधे से अधिक बच्चे सामान्य गणित तक नहीं कर सकते। वहीं एक चौथाई बच्चे तो पढ़ तक नहीं सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सालों में बच्चों में सीखने की प्रक्रिया कुछ बेहतर हुई है। रिपोर्ट के अनुसार आठवीं क्लास में पढ़ने वाले 56 फीसदी छात्र तीन अंकों की संख्या को एक अंक के नंबर से भाग नहीं दे सकते हैं। वहीं पांचवीं क्लास के 72 फीसदी बच्चे भाग तक नहीं दे सकते हैं, जबकि तीसरी क्लास के 70 प्रतिशत बच्चे घटाना नहीं कर सकते। यह स्थिति एक दशक पहले से काफी बदतर है। साल 2008 में पांचवीं क्लास के 37 फीसदी बच्चे सामान्य गणित कर लेते थे, जबकि आज के समय यह संख्या 28 प्रतिशत से कम है। साल 2016 में तो यह आंकड़ा महज 26 प्रतिशत रह गया था। बच्चों के अंदर पढ़ सकने की भी समस्या आ रही है। देश भर में हर चार में से एक बच्चा पढ़ने की सामान्य स्किल की कमी की वजह से आठवीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़ दे रहा है। गणित की बेसिक जानकारी में लड़कियां, लड़कों से काफी पीछे हैं। केवल 44 फीसदी लड़कियां ही भाग कर सकती हैं, जबकि लड़कों में यह संख्या 50 फीसदी है। हालांकि हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु में आंकड़ा उलटा है, जहां लड़कियां काफी बेहतर कर रही हैं। यह सभी आंकड़े देश के 28 विभिन्न राज्यों के 596 जिलों से कलेक्ट किए गए हैं। 3 से 16 साल के आयु वर्ग में 3.5 लाख परिवार और 5.5 लाख बच्चे शामिल हैं।

अभी जो स्थिति है, उसमें हमारे देश में बच्चे मामूली जोड़-घटाव और गुणा करने तक के लिए कैलकुलेटर, मोबाइल फोन या कम्प्यूटर पर ही आश्रित नहीं हुए हैं, बल्कि वे गणित को आनंद का विषय भी नहीं मानते। गणित आनंद का विषय (जॉय ऑफ मैथ्स) हो सकता है- इस बारे में एक स्थापना महान गणितज्ञ जीएच हार्डी की है जिन्होंने अपनी किताब 'अ मैथमैटेशियंस अपोलॉजी' में यह बात स्वीकार की है कि भले ही अप्लाइड मैथ्स (व्यावहारिक गणित) को तुच्छ और नीरस माना जाता है, पर इसके दार्शनिक रोमांच और इसकी स्थायी एस्थेटिक वैल्यू यानी आनंद से इनकार नहीं किया जा सकता। हार्डी का बयान दार्शनिक कोटि का है और उन्होंने अप्लाइड मैथ्स की प्योर (विशुद्ध) मैथ्स से जो तुलना की है, आज वह बेमानी हो चुकी है क्योंकि इन दोनों दायरों का अंतर तेजी से मिट रहा है। गणित का संकट हमारे लिए यह है कि इस क्षेत्र में भारतीय मेधा के पिछड़ने के पूरे-पूरे आसार हैं। इससे संबंधित एक तथ्य तीन साल पहले (2012 में) अंतरराष्ट्रीय टेस्ट पीसा यानी 'प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट' में भारतीय किशोरों की रैंकिंग से स्पष्ट हुआ था।

टेस्ट के नतीजों के आधार पर 73 देशों की जो सूची बनाई गई थी, भारतीय बच्चे उसमें 71वें स्थान पर आए थे। भारतीय किशोर सूची में शीर्ष पर रहे चीनी बच्चों के मुकाबले 200 अंक पीछे थे। पीसा टेस्ट का आयोजन आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन नामक संस्था कराती है और दो घंटे के इस टेस्ट में दुनिया भर के तकरीबन पांच लाख बच्चे हिस्सा लेते हैं। इससे पहले साल 2011 में ऑस्ट्रेलियन काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च द्वारा किशोरों में गणित और विज्ञान की जागरूकता के आकलन के बारे में कराई गई वैश्विक परीक्षा में भी भारतीय बच्चों का प्रदर्शन इतना ही निराशाजनक रहा था। उसमें भी 73 देशों के बच्चों ने हिस्सा लिया था और भारत सिर्फ किर्गिस्तान से ऊपर 72वें स्थान पर रहा था। हमने तब भी समस्या को थामने की ओर ध्यान नहीं दिया था।

गणित में बच्चों और बड़ों की अरुचि होना व उसे नीरस विषय मानना कोई अनहोनी नहीं है। शायद ऐसी अरुचि ही वजह थी कि जब अल्फ्रेड नोबेल मानवता को फायदा पहुंचाने वाले क्रांतिकारी आविष्कारों और खोजों को सम्मानित करने के लिए नोबेल पुरस्कारों का गठन कर रहे थे, तब उनके दिमाग में गणित जैसा विषय कोई हलचल पैदा नहीं कर पाया था। पर यह जानते हुए कि गणित की भूमिका हमारे आज के रोजमर्रा के कामकाज में लगातार बढ़ रही है, बच्चों में इसके प्रति दिलचस्पी कम होना एक खतरनाक संकेत है। ऐसे में प्रोफेसर मंजुल भार्गव की उपलब्धि हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है, लेकिन क्या उनका यह पुरस्कार भारतीय बच्चों-युवाओं में गणित के प्रति कोई रुचि जगा पाएगा! भले ही गणित को एक शुष्क विषय माना जाता हो, लेकिन आज के हालात में दुनिया गणित के कायदों पर घूम रही है। इस वक्त पूरी दुनिया में गणित की बढ़ती महत्ता इससे साबित होती है कि अमेरिका में पिछले अरसे में गणितज्ञों की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है। गणित के विशेषज्ञ वहां की सरकारी, निजी कंपनियों, सरकारी एजेंसियों और एनजीओ से लेकर शैक्षणिक संस्थाओं में ऊंचे वेतनमान पर नियुक्त किए जा रहे हैं।

भारत में गणित अध्ययन की परंपरा पुरानी है। आर्यभट्ट व ब्रह्मगुप्त को कौन नहीं जानता है। दुनिया को शून्य का ज्ञान सबसे पहले भारत ने ही कराया था। 14वीं सदी में गणितज्ञ माधव ने न्यूटन और लाइबनिज से पहले ही कैलकुलस के सिद्धांत खोज लिए थे। बीसवीं सदी के प्रारंभ में श्रीनिवास रामानुजन ने गणितीय अनुसंधानों से गणित की दुनिया को रोमांचित कर दिया। आज यदि देश के स्कूल गणित की पढ़ाई में फिसड्डी साबित हो रहे हैं, तो इसकी चिंता सभी पक्षों को मिलकर करनी होगी।

अभिषेक कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

राम रहीम का फिर हिसाब

साध्वियों से बलात्कार के मामले में 20 साल कैद की सजा भुगत रहे गुरमीत राम रहीम को सीबीआई कोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट का यह फैसला स्वयंभू बाबा या संत बने लोगों के खिलाफ समाज में माहौल बनाएगा।

साध्वियों से रेप के मामले में 20 साल कैद की सजा भुगत रहे गुरमीत राम रहीम को सीबीआई कोर्ट से फिर झटका लगा है। 2002 में हुए पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में राम रहीम को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है और 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। फैसले का मतलब यह हुआ कि अब जब तक राम रहीम जिंदा रहेगा, तब तक जेल में रहेगा। अब भी दो मामलों का फैसला बाकी है, जिसमें एक हत्या और दूसर नपुंसक बनाने का है। सीबीआई के वकील ने फांसी की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने कम सजा का हवाला देते हुए रहम की मांग की थी। कोर्ट ने 11 जनवरी को राम रहीम को हत्या मामले में दोषी करार दिया था। हालांकि इसमें 16 साल लग गए। इसे भारतीय न्याय व्यवस्था के खिलाफ एक टिप्पणी की तरह भी लिया जा सकता है, लेकिन सारे तथ्य सामने हों तो यह अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि अदालत के लिए इस मामले में फैसले तक पहुंचना कितना कठिन रहा होगा। हमारी अदालतें न्याय करने में इतनी देर क्यों लगाती हैं, इस सवाल पर कई कोणों से चर्चा होती रही है।

इस क्रम में एक बड़ी समस्या की अनदेखी हो जाती है कि अपराध के तमाम मामलों में आरोपी चाहे कोई भी हो, अभियोजन पक्ष हमेशा सरकार ही होती है। ऐसे में अगर सरकारी तंत्र ही अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने में हीला-हवाली करता रहे तो अदालत समय से किसी ठोस फैसले तक कैसे पहुंच सकती है। प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर मामले की जांच करने, बयान लेने, सबूत जुटाने व आरोपपत्र दायर करने तक मीलों लंबे रास्ते में सरकारी तंत्र अपनी इच्छा या फिर अनिच्छा से कदम-कदम पर रोड़े अटकाता है। खासकर प्रभावशाली और ताकतवर आरोपियों के खिलाफ चल रहे मामलों में तो समय काटना ही उसका लक्ष्य लगने लगता है। उदाहरण के लिए, रेप के ही मामले में आसाराम बापू का मामला लें तो लाख सिर पटक कर भी उसे जमानत नहीं मिली और उम्रकैद की सजा पाकर जेल में है। लेकिन इस मामले में गवाहों के बयान न दर्ज करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने गुजरात सरकार से नाराजगी जताई थी। कोर्ट की सख्ती के बाद ही आसाराम के मामले में तेजी आई और उसका फैसला हो सका।

जाहिर है कि हर मामले में कोर्ट सरकार की जगह तो नहीं ले सकता। जब हम मुकदमों के सालों साल लटके रहने पर पुरानी फिल्मों के डायलॉग दोहराते हैं, अदालत की सुस्ती पर ढेरों एंगल खोजकर लाते हैं, तो थोड़ी तफ्शीश हमें गवाह और सबूत जुटाने की प्रक्रिया की भी करनी चाहिए। हमारा ध्यान अगर सरकारों की जवाबदेही से ही हट जाएगा तो पत्रकार हत्याकांड में गुरमीत को सजा मिलने में लगे 16 सालों की गुत्थी हम कभी नहीं सुलझा पाएंगे। बहरहाल, कोर्ट का ताजा फैसला स्वयंभू बाबा या संत बनकर लोगों की भावना से खेल रहे लोगों की आंखें जरूर खोलेगा।

अपनी चाल से बाज आए पाक

पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को प्रताड़ित करने की खबरें हैरान करने वाली हैं। पाकिस्तान में जहां-जहां भी भारतीय उच्चायोग के दफ्तर हैं, वहां काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को ऐसा उत्पीड़न अक्सर झेलना पड़ता है। एक महीने में तीन बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पिछले हफ्ते पेशावर में पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने उस वक्त हद पार डाली जब भारतीय उच्चायोग के कुछ सदस्यों को बीच सड़क पर रोक लिया गया और वहीं आधे घंटे तक उनसे पूछताछ की गई। ये लोग अपने होटल लौट रहे थे। यही नहीं, इस प्रतिनिधिमंडल को बीच रास्ते से ही इस्लामाबाद लौटने को मजबूर किया गया। इससे पहले इस्लामाबाद में राजनयिकों के आवासीय परिसर में गैस, बिजली और इंटरनेट के कनेक्शन काटे जाने की घटना सामने आई थी। राजनयिकों के साथ इस तरह की घटनाओं को अंजाम देना आसान काम नहीं होता। जाहिर है, जो हो रहा है वह किसी शीर्ष स्तर के इशारे पर ही संभव है। ऐसी घटनाएं पाकिस्तान की मंशा को उजागर करती हैं।

अब पाकिस्तान के सुरक्षाधिकारी ने भारतीय उच्चायुक्त और डिप्टी हाईकमीश्नर का पीछा किया और उन पर कड़ी नजर रखी जब वह एक शादी के रिसेप्शन में हिस्सा लेने के लिए चार दिसंबर को होटल पहुंचे थे। भारतीय पक्ष ने दूसरे सचिव (सेकंड सेक्रेटरी) के सोशल मीडिया अकाउंट को हैक करने की कोशिशों के बारे में भी शिकायत की है। सकंड सेक्रेटरी के एक रिश्तेदार के अकाउंट को भी हैक करने की कोशिश हुई हैं। वहीं सेक्रेटरी को फेसबुक से कई ईमेल मिले है कि कोई अज्ञात शख्स उनके अकाउंट को लगातर लॉग इन करने की कोशिश कर रहा है। भारत का कहना है कि इस तरह की कोशिशें आक्रामक निगरानी, गोपनीयता व उत्पीड़न का उल्लंघन हैं। दरअसल, भारतीय राजनयिकों को प्रताड़ित किए जाने की ऐसी घटनाएं लंबे समय से होती रही हैं। जांच के नाम पर अधिकारियों को देर तक परेशान करने, उनके दस्तावेज छीन लेने, राजनयिकों के मेहमानों को परेशान करने, उनका पीछा करने, संदिग्ध तौर पर उनके घरों के आसपास घूमने, डराने-धमकाने जैसी घटनाएं आम बात हैं।

मामला तब ज्यादा गंभीर हुआ जब कुछ समय पहले पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त और महावाणिज्य दूतावास के अधिकारी भी ऐसी हरकत का शिकार हुए। पाक के अधिकारियों ने भारत के उच्चायुक्त को गुरुद्वारा पंजा साहिब में जाने से रोक दिया था और सिख तीर्थयात्रियों को भी उनसे नहीं मिलने दिया जा रहा था। हालांकि भारत इस घटनाक्रम पर कड़ी आपत्ति जता चुका है। लेकिन इस तरह की घटनाएं बदस्तूर जारी हैं। राजनयिकों के साथ इस तरह का 'सुनियोजित' अभद्र व्यवहार हमेशा गंभीर मामला होता है। किसी भी देश में राजदूत या उच्चायुक्त अपने देश के प्रतिनिधि होते हैं और उनके साथ अगर कुछ भी बुरा घटित होता है तो यह सीधा-सीधा उस देश के खिलाफ कदम माना जाता है। पाकिस्तान भारतीय राजनयिकों के साथ जो कर रहा है उसे क्या भारत के खिलाफ मुहिम नहीं मानी जानी चाहिए? ताज्जुब है कि पिछले कुछ समय में भारत ने पाकिस्तान के साथ जितनी सदाशयता दिखाई है, करतारपुर साहिब गलियारा बनाने जैसी पहल की है, उसके बदले में पाक ने राजनयिकों को निशाना बनाने की चाल चल दी है। इमरान खान ने प्रधानमंत्री पद की शपथ के बाद दोस्ती के लिए जिस तरह की लंबी-चौड़ी बातें की थीं, ऐसी घटनाओं से उन पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

भारत को परेशान करने के लिए उसने अब नया पैंतरा चला है। वहां काम कर रहे भारतीय राजनयिकों को परेशान करने का। निश्चित रूप से इस तरह के कई मामले समय-समय पर आते रहेंगे। पाक को लगता है कि अगर वह राजनयिकों और उनके परिवारों को परेशान करेगा, तो भारत नरम पड़ जाएगा और वह उसकी फजीहत नहीं करेगा। पर यह उसकी भूल है। भारत ने एजेंडा साफ कर रखा है और वह उसी पर चलेगा भी।

यह शुरू से ही कहा जा रहा है कि इमरान खान सरकार सेना की कठपुतली है। सेना को अगर लगता है कि सरकार उसके एजेंडे से हट सकती है और भारत के साथ ज्यादा दरियादिली दिखा रही है या दोनों देशों के बीच कोई तनाव वाली स्थिति बनती है, तभी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। सरकार या विदेश मंत्रालय राजनयिकों को परेशान करने जैसा कदम नहीं उठा सकता है। इसके लिए सेना और आईएसआई का दबाव होता है और उनके लिए सरकार की विदेश नीति कोई अहमियत नहीं रखती। पाकिस्तान की सरकार एक तरफ तो भारत का अच्छा पड़ोसी बनने का दावा करती है, दूसरी ओर ऐसे काम भी करती है जो दोस्ती को पटरी से उतारने वाले हों। ऐसे में भारत को चाहिए कि वह पाक को राजनयिक चैनलों के जरिए ही उचित जवाब दे। पाक को यह भी देखना चाहिए कि भारत में उसके अफसरों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा है।

अभी कुछ दिन पहले नई दिल्ली के सरोजिनी नगर मार्केट में पाकिस्तान के अधिकारी ने महिला को कथित तौर पर गलत तरीके से छुआ था। जिसकी उसने पास के थाने में शिकायत की थी। महिला के अनुसार उस अधिकारी ने बाजार में उसे गलत तरीके से छुआ था। वहीं कर्मचारी का कहना है कि बाजार में भारी भीड़ होने की वजह से गलती से उसका हाथ महिला को छू गया था। हालांकि तब अधिकारी ने लिखित तौर पर माफी मांग ली थी। जिससे यह मामला बंद हो गया था। उस अधिकारी को पुलिस ने हिरासत तक में नहीं लिया। उल्टे पाक में अफसरों को घंटों थाने में बैठाए रखने और उन्हें परेशान करने का बहाना तलाशा जाता है। यही नहीं उनके परिवारों को भी परेशान करने का बहाना पाक के अधिकारी ढूंढते रहते हैं। इस्लामाबाद में राजनयिकों के आवासीय परिसर में गैस, बिजली और इंटरनेट के कनेक्शन काटे जाने की घटना इसी को पुष्ट करती है। इमरान सरकार इन घटनाओं से चाहे जितना पल्ला झाड़े, मगर वह बच नहीं सकती। संबंध बेहतर बनाने की बात करने और संबंध बेहतर बनाने में फर्क होता है। बातें पाकिस्तान आजादी के बाद से ही कर रहा है, लेकिन अमल आज तक नहीं कर पाया। कितनी सरकारें आईं और गईं, मगर किसी ने भी संबंधों की बेहतरी की तरफ ध्यान नहीं दिया। सब के सब भारत को कैसे नीचा दिखाया जाए, इसी में लगे रहे। वहीं भारत पाक से संबंध बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ता रहा। भारत ने बस सेवा शुरू की, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवाज शरीफ को जन्मदिन की बधाई देने लाहौर की यात्रा तक की। बदले में हमें मिला उरी में हमला। उसके बाद भी भारत की कोशिशें जारी रहीं। भारत ने पठानकोट सैन्य अड्डे पर हुए हमले की जांच के लिए पाक के दल को भारत आने का न्यौता भी दिया। जब भारत के दल की पाकिस्तान जाने की बारी आई तो वह मुकर गया। मुंबई हमले के दोषी आतंकी सरगनाओं को वह आज तक सजा नहीं दे पाया है। आतंकवाद बदस्तूर जारी है। तो अब पीएम इमरान खान आतंकवाद पर भारत को ही ज्ञान देने लगे हैं। यह सब साबित करता है कि पाक की भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वह मानने वाला नहीं है।

भारत को परेशान करने के लिए उसने अब नया पैंतरा चला है। वहां काम कर रहे भारतीय राजनयिकों को परेशान करने का। निश्चित रूप से इस तरह के कई मामले समय-समय पर आते रहेंगे। पाक को लगता है कि अगर वह राजनयिकों और उनके परिवारों को परेशान करेगा, तो भारत नरम पड़ जाएगा और वह उसकी फजीहत नहीं करेगा। पर यह उसकी भूल है। भारत ने एजेंडा साफ कर रखा है और वह उसी पर चलेगा भी। पाक यह जान ले कि वह आईएसआई और सेना के मोह में फंसकर भारत को परेशान करता रहा तो नुकसान भी उसी का होगा। आज पाक को जिल्लत भरी नजरों से देखा जाने लगा है। अमेरिका में ट्रंप सरकार आने के बाद से कार्रवाई का दौर जारी है। इसके बाद भी पाक को लगता है कि वह राजनयिकों को परेशान कर भारत को बैकफुट पर ला देगा, तो वह अपना ही नुकसान करेगा।

अनुजा तिवारी
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

राम रहीम जैसे लोग समाज के लिए नासूर हैं। ऐसे लोगों के रहते स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो सकता क्योंकि ये लोग दूसरों की सोच को कुंद कर देते हैं।

विजय विद्रोही, वरिष्ठ पत्रकार

मेरे परिवार ने एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी है और मां ने काफी कुछ झेला है, अब राम रहीम को सजा मिलने के बाद सभी खुश हैं और मां की आखों में संतुष्टि है।

श्रेयसी, रामचंद्र की बेटी

सत्यार्थ

साधना और पलायन में फर्क

यह उस समय की बात है, जब स्वामी रामकृष्ण परमहंस की चर्चा दूर-दूर तक होने लगी थी। लोगों में, खासकर युवा पीढ़ी में उनका शिष्य बनने की होड़ सी लग गई थी। एक दिन इस उद्देश्य से ही एक युवक परमहंसजी के पास पहुंचा और उन्हें प्रणाम करके बोला- महात्मन्, मुझे भी अपना शिष्य बना लीजिए और गुरुमंत्र दे दीजिए, ताकि मैं भी संत बन सकूं। युवक की बात सुनकर परमहंस मुस्कराए। फिर उन्होंने पूछा- तुम्हारे परिवार में तुम्हारे अलावा और कौन-कौन है? युवक ने उत्तर दिया- मेरे घर में मेरे अलावा केवल मेरी बुजुर्ग मां है। परमहंस कुछ देर तक मौन रहे, फिर पूछा- तुम गुरुमंत्र लेकर साधु क्यों बनना चाहते हो? यह सवाल सुनकर युवक बोला- मैं मोहमाया से भरे संसार को छोड़कर मुक्ति पाना चाहता हूं। परमहंस ने उसको समझाया कि तुम मुक्ति नहीं चाहते, बल्कि अपनी जवाबदेही से भाग रहे हो। मुक्ति तो एक बहाना मात्र है। तुम्हें लगता है कि साधु बनकर तुम बिना किसी दायित्व के जीवनयापन कर लोगे। तुम्हारा काम इससे चल ही जाएगा, बाकी लोग चाहे जो करें। यह साधना नहीं पलायन है। आजकल बहुत से लोग ऐसा ही कर रहे हैं। यह अपनी शक्ति का दुरुपयोग है। अपनी बूढ़ी मां को असहाय छोड़ोगे, तो तुम्हें मुक्ति कभी नहीं मिलेगी। तुम्हारी सच्ची मुक्ति तो इसमें ही है कि तुम पूरी शक्ति लगाकर अपनी बुजुर्ग और असहाय माता की सेवा करो। उनकी सेवा ही ईश्वर की भक्ति है। वैसे भी माता को ग्रंथों में ईश्वर के जैसा बताया गया है। युवक परमहंस की बात समझ गया। उसने साधु बनने की योजना छोड़ दी और घर लौटकर अपनी मां की सेवा में जुट गया। ऐसे परम संत थे, रामकृष्ण परमहंस, जो भटके हुए लोगों को राह दिखाते थे।

राधा नाचीज

आपको राशि के अनुसार किस रंग का पर्स रखना चाहिए?

जीवन की चीज और बात से ज्योतिष और वास्तु सीधे-सीधे जुड़ा हुआ है। हम जो भी करते हैं, जो भी कुछ हमारे पास है, हर जगह ज्योतिष लागू होता है। ज्योतिष द्वारा बताई गई बातों को अपनाने से जीवन की सभी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। आज की सबसे बड़ी समस्या है पैसों की कमी। ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाने के लिए काफी धन की जरूरत होती है, इसके लिए दिनरात मेहनत भी करना पड़ती है। बहुत से लोग मेहनत करते हैं और पैसा भी अच्छा कमाता है लेकिन फिर भी उनके पास बचत नहीं होती है। ऐसे में बचत बढ़ाने के लिए पर्स के संबंध में कुछ सावधानी रखने की आवश्यकता है क्योंकि सभी पर्स में ही पैसा रखते हैं। इसीलिए राशि अनुसार पर्स रखने से हमारी कमाई तो बढ़ेगी साथ ही बचत भी होने लगेगी।

- मेष- इस राशि के लोग लाल या महरून रंग के पर्स रखना चाहिए।
- वृषभ- वृषभ राशि के लोगों के लिए सफेद या सिल्वर रंग के पर्स विशेष लाभ देने वाले होते हैं।
- मिथुन- इन लोगों को हरा या काले रंग के पर्स रखना चाहिए।
- कर्क- इन्हें सफेद, सिल्वर या क्रीम कलर के पर्स अच्छा फायदा दिला सकते हैं।
- सिंह- सिंह राशि वाले लाल, महरून, चाकलेटी रंग के वॉइलेट रखना चाहिए।
- कन्या- कन्या राशि वालों के लिए हरा, काला या सिलेटी विशेष लाभ देने वाला रहता है।
- तुला- इस राशि के लोगों को सफेद, चमकीला या सिल्वर रंग को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- वृश्चिक- इनके लिए लाल, महरून या चाकलेटी रंग श्रेष्ठ रहता है।
- धनु- आप पीला, क्रीम या सफेद रंग का उपयोग करें।
- मकर- मकर राशि वालों को काला, नीला, भूरा रंग प्रयोग में लाना चाहिए।
- कुम्भ- शनि इस राशि का स्वामी है अत- इन्हें शनि के प्रिय रंग काला, नीला, जामुनी रंग को अपनाना चाहिए।
- मीन- इन्हें पीला, सफेद, या क्रीम कलर का पर्स विशेष लाभ दिलवाएगा।

'मसरूर मंदिर'

एक ही चट्टान को काट कर बना है

देव भूमि के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश में लगभग दो हजार मंदिर विद्यमान हैं। इनमें हिन्दू धर्म के मान्यता प्राप्त शक्तिपीठ तो विश्व भर में विख्यात हैं तथा प्रदेश के कांगड़ा जिले में एक ऐसा विचित्र मंदिर है जो मात्र एक ही चट्टान को काट कर बनाया गया है। भगवान शिव तथा श्री राम चंद्र को समर्पित यह मंदिर लगभग आठवीं शताब्दी में निर्मित किया गया था तथा समुद्र तल से 2500 फुट ऊंचाई पर एक ही चट्टान को काट कर बना देश का एकमात्र मंदिर माना जाता है।

इस मंदिर की एक झलक देखने से ही स्पष्ट हो जाता है कि उन दिनों भी इस महान देश की निर्माण कला तथा नक्काशी कितनी उच्च स्तरीय थी। यह मंदिर कांगड़ा से 32 किलोमीटर तथा श्री ज्वाला जी से 34 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मसरुर मंदिर कोई एक मंदिर नहीं बल्कि लगभग नौ मंदिरों का समूह है। यदि इतिहासकारों की मानें तो ऐसे तथ्य भी सामने आ रहे हैं जिनके अनुसार यहां पहले 15 मंदिर विद्यमान थे जो समय की गर्त के चलते नष्ट हुए अथवा प्राकृतिक कारणों से लुप्त हो गए।

किंवदंतियों में इन मंदिरों का संबंध पांडवों से जोड़ा जाता है। मान्यता के अनुसार इसी मंदिर के प्रांगण में स्थित जलाशय के जल से द्रौपदी ने भगवान शिव की अर्चना तथा जलाभिषेक किया था। कहते हैं कि इस मंदिर का इतना महत्व था कि यहां पर पूजा तथा तपस्या करने से स्वर्ग प्राप्ति का द्वार खुलता था।

यहां आज भी विशाल पत्थरों के बने दरवाजानुमा द्वार हैं, जिन्हें 'स्वर्गद्वार' के नाम से जाना जाता है। कुछ अन्य मान्यताओं के अनुसार पांडव अपने स्वर्गारोहण से पहले इसी स्थान पर ठहरे थे, इसी लिए यहां स्थित पत्थरनुमा दरवाजों को 'स्वर्ग जाने का मार्ग' भी कहा जाता है। इन मंदिरों में नंदी तथा भगवान शिव को समर्पित अति आकर्षक मंदिर हैं जिसमें नंदी को मुख्य मंदिर की चट्टान को तराश कर बनाई गई मंदिर की छत के बाहर दक्षिण भारतीय शैली में स्थापित किया गया है। इसके साथ एक अन्य युग में वैष्णव मत के अनुयायियों द्वारा यहां श्री राम, लक्ष्मण तथा सीता माता की मूर्तियां भी स्थापित की गईं। इस मंदिर के ऊपरी भाग को इसके नीचे वाले प्रांगण से एक सीढ़ीनुमा सुरंग से जोड़ा गया है। ये मंदिर हिमाचल प्रदेश ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के किसी अन्य धर्मस्थल से अलग ही नजर आते हैं। मंदिर की रचना अद्भुत है। यहां की मूर्तिकला पर दक्षिण भारतीय वास्तुकला के नक्शों की छाप इन्हें और भी अद्भुत बना देती है। कुछ विद्वान इन मंदिरों की शैली में हिंद चीन के देशों लाओस, कम्बोडिया के धर्मस्थलों की निर्माणकला की छाप देखते हुए यहां छठी शताब्दी में बौद्ध भिक्षुओं के आगमन तथा ध्यान क्रियाओं की पुष्टि करते हैं। मसरूर मंदिरों के निर्माण में प्रयुक्त की गई पिरामिड तकनीक के कारण ये मंदिर 1905 ई. के कांगड़ा के भीषण भूकंप से भी सुरक्षित रहे तथा ऊंचे पहाड़ों की चोटियों में बसे होने के कारण मध्य कालीन आक्रामक विदेशी विध्वंसकों के हमलों से भी सुरक्षित बचे रहे परंतु यह भी एक सत्य है कि मंदिरों के गुंबदों तथा अन्य कुछ स्थानों पर समय की गर्त का प्रभाव नजर आता है।

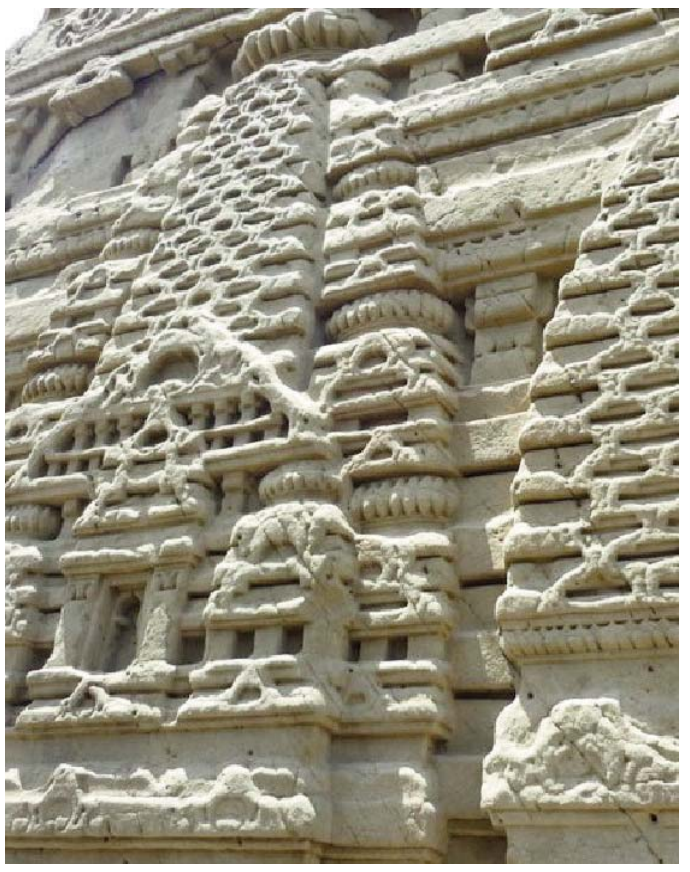

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है। जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगड़ने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अर्मायादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल 'गंदाजल' कहलाने लगता है।

राम ने त्यागा तो सीता ने यहां बनाया था ठिकाना

राम के राजा बनने के बाद जो घटना हुई थी उसमें सबसे प्रमुख है धोबी के कहने पर राम द्वारा सीता का त्याग करना। भगवान राम ने जिस सीता को पाने के लिए समुद्र पर पुल का निर्माण करवाया और रावण का वध किया उस सीता को राम भला किस प्रकार असुरक्षित छोड़ सकते थे।

इसलिए सीता का त्याग करने के बाद भी राम ने उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा। मान्यता है कि भगवान राम ने लक्ष्मण जी से सीता को उत्तराखंड की देवभूमि में छोड़कर आने के लिए कहा था। राम की आज्ञा का पालन करते हुए लक्ष्मण जी ने सीता को देव प्रयाग से चार किलोमीटर आगे छोड़ा था। यह स्थान पुराने बद्रीनाथ मार्ग पर स्थित है। इस स्थान को -सीता विदा- गांव के नाम से जाना जाता है। इस स्थान पर सीता को छोड़ने का कारण यह था कि जब धरती पर गंगा उतरी तब सबसे पहले यहीं प्रकट हुई थी। गंगा के साथ उस समय 33 करोड़ देवता भी यहां एकत्रित हुए थे। यह तपस्वियों की भूमि थी जिससे इस स्थान पर पाप का प्रभाव नहीं था। सीता जी ने यहां पर अपनी कुटिया बनायी थी जिसे सीता कुटि और सीता सैंण के नाम से जाना जाता है। यहां से सीता बाल्मिकी आश्रम चली गयी जो वर्तमान में कोट महादेव मंदिर के पास है। केदारखंड नामक ग्रंथ में उल्लेख आया है कि कुछ समय तक राज-काज देखने के बाद भगवान राम और लक्ष्मण देवप्रयाग आये थे। यहां पर राम ने सीता और लक्ष्मण के साथ रावण वध के कारण लगे ब्रह्महत्या के दोष से मुक्ति पाने के लिए तपस्या और विश्वेश्वर लिंग की स्थापना की। भगवान राम प्रतिदिन देवप्रयाग से आगे श्रीनगर नामक स्थान में सहस्त्र कमल फूल से कमलेश्वर महादेव की पूजा किया करते थे।

वास्तुशास्त्र

वास्तु से लाएँ खुशहाली

घर किसी भी जीवांत की मूल अवश्यकता है, जिसमें एक व्यक्ति या एक परिवार के आराम और निजी संपत्ति का भंडारण कर सकते हैं। जहां शरण या आराम की मानसिक या भावनात्मक तृप्ति प्राप्त हो उसे आशियाना कहा जा सकता है। बहुत बार ऐसा होता है घर में वास्तु दोष होने से अनेकों परेशानियाँ उत्पन्न हो जाती है जिसका हमारे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। दैनिक जीवन में अगर हम छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें तो इसका समाधान सरलता से किया जा सकता है-

1 अपने शयन कक्ष में कभी भी जूठे बर्तन न रखें, ऐसा करने से बेडरूम में बेवजह क्लेश रहता है और घर की लक्ष्मी के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

2 अपने शयन कक्ष में पानी से भरा हुआ बड़ा पात्र जैसे कि वाटर कूलर अथवा अन्य भारी सामान न रखें। इसका प्रभाव सीधे मानसिकता पर पड़ता है, जिससे की भारीपन बना रहता है।

3 अपने शयन कक्ष में व्यसनों का सेवन न करें, इससे आप के ग्रो करने में रूकावटें आयेंगी।

4 घर में दो दरवाजे कभी भी आमने-सामने नहीं होने चाहिए ऐसा हो तो नेगेटिव उर्जा का प्रवेस जल्दी आघात करता है।

5 ईशाण कोण में हमेशा सफाई रखें अगर वहां गंदगी होगी तो घर के सदस्यों पर चिंताओं के बादल मंडराते रहेंगे,वंश वृद्धि असंभव हो जाती है, शादी के लायक कोई पारिवारिक सदस्य हो तो उसके विवाह में विलंब होगा अगर इन समस्याओं से निजात चाहते है तो ईशाण कोण को हल्का रखें, बेहतर परिणामों के लिए वहां देवता का स्थान,पानी का स्थान, पितरों का स्थान स्थापित करें तो उतम रहेगा।

6 ईशाण कोण में सिढियां नहीं होनी चाहिए इससे हमारे दैनिक जीवन की प्रोग्रेस पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

7 घर के श्रेष्ठ पुरूष को अपने काम करने की मेज ईशाण कोण में लगानी चाहिए, इससे मानसिकता में सकारात्मकता बनी रहती है।

8 घर का कोई सदस्य किसी कारणवश दवा का सेवन कर रहा है तो दवा को ईशाण कोण में ही रखना चाहिए। जब दवा खाएं तो मुख भी इसी दिशा में हो तो दवा का प्रभाव शीघ्र अपना असर दिखाता है और रोगी जल्द ही स्वस्थ हो जाता है।

9 अगर कोई व्यक्ति लम्बे अर्से से बीमार है और कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं हो रहा है तो उस को नैऋत्य कोण में सुलाएं, ईशाण कोण में जल का लौटा भर कर रखें और उसी का जल रोगी को पिलाना चाहिए इस से रोगी के स्वस्थ्य में शीघ्र लाभ होगा।

10 अगर कोई कोर्ट-कचहरी का मामला हो तो उसके कागजात ईशाण कोण में रखें। यदि उस दिशा में आप का मंदिर स्थापित है तो समझें सोने पर सुहागा, मंदिर में कागजात रखने से सफलता आपके कदम चुमेगी।

11 ईशाण कोण में हमेशा देवी-देवताओं के चित्र लगाने चाहिए। घर में कहीं भी कभी भी युध,रोता हुआ व्यक्ति, जादू टोने के चित्र नहीं लगाने चाहिए। इन चित्रों के प्रभाव से समस्त वातावरण में नकारात्मकता फैलेगी।

सूरत। बमरोली विस्तार में गटर लाईन के उपर बनाई गई बिल्डिगों का मनपा द्वारा कोई समाधान नहीं किया गया है। मनपा के अधिकारी अपनी आंख और कान बंद कर यहा से गुजर तो जाते है लेकिन इनमें रहने के लिए आने वाले लोगों की जान की कोई परवाह नहीं कर रहे है। क्योंकि गटर लाईन पर बनी बिल्डिगों के भार से कभी भी गटर लाईन धस सकती है और बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ऐसा नहीं है कि मनपा के अधिकारियो द्वारा इन बिल्डिंगों का डिमोलेशन नही किया लेकिन बिल्डर इतने ढीट हो चुके है कि मनपा के अधिकारियों द्वारा डिमोलेशन करने के बाद भी बिल्डिंगकों को पुरा किया, क्योंकि इनकों अपने पैसे बनाने से मतलब है किसी की जान जानी है तो जाए इनको क्या?

डिंडोली में हनीट्रैप मामले में अन्य एक युवती गिरफ्तार

सूरत। डिंडोली में लोन एजेन्ट को मिलने बुलाने के बाद अश्लील फोटो खिंचकर दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर 41 हजार रुपए वसूलने के केस में अन्य एक युवती की पुलिस ने गिरफ्तारी की है।

डिंडोली पुलिस के पास से मिली जानकारी के अनुसार योगी चौक गजानंद सोसायटी में रहनेवाले सागर जयसुख सोजित्रा लोन एजेन्ट के तौर पर नौकरी करते हैं। सागर को गत 28 दिस बर को शाम चार बजे टीना नामक युवती ने फोन कर डिंडोली रंगीला पार्क के पास बुलाने के बाद युवती के साथ फोटो खिंचकर उसे वायरल करने की तथा दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर 41,500 रुपए वसूल लिए थे। इस मामले में सागर ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने अपराध दर्जकर जांच शुरू की थी और गत रोज सोनल उर्फ अंजली उर्फ सोनु सुभाष मारूतिवान निखार ने (निवा. सांई रेसीडेन्सी, लिंबायत) को गिरफ्तार किया।

उधना में व्यापारी के मकान से 5.35 लाख की चोरी

सूरत। उधना कल्याण कुटीर में रहनेवाले व्यापारी के मकान को चोरों ने दोपहर डेढ से 6 बजे के दौरान निशाना बनाकर मु य दरवाजे का लॉक डुप्लीकेट चाबी से खोलकर

अंदर प्रवेश कर तिजोरी से नगद 2 लाख और गहने समेत 5.35 लाख के सामान की चोरी कर लिया और फरार हो गए।

घटना के संबंध में उधना पुलिस के पास से मिली जानकारी के अनुसार उधना गुजरात हाउसिंग बोर्ड कल्याण कुटीर में रहनेवाले धनंजय देवीदास बावीसकर पांडेसरा सिनेमा के पास साड़ी और ड्रेस पर लेसपट्टी तथा टीका लगाने का होलसेल का व्यवसाय करते हैं। धनंजय और उनकी पत्नी गत रोज दोपहर को खाते में गए थे। इस दौरान चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया था और दोपहर डेढ बजे से 6 बजे के समयावधि में मकान के मु य दरवाजे का लॉक डुप्लीकेट चाबी से खोलकर अंदर प्रवेश किया और तिजोरी से नगद 2,00,000 रुपए और 3,35,000 रुपए की कीमत के गहने समेत 5,35,000 रुपए के सामान की चोरी कर फरार हो गए। घटना के संबंध में धनंजय की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्जकर जांच शुरू की है।

वासणा में किशोरी ने गले में फांसी लगा लेने से सनसनी

अहमदाबाद। देश में लगातार आत्महत्या और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही है तब गुजरात राज्य में ऐसी ही स्थिति रही है। अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर में इस प्रकार की घटना एक के बाद एक सनसनी घटना सामने आ रही है तब रविवार को शहर के वासणा क्षेत्र में एक ऐसी ही घटना ने सनसनी मचा दी है। वासणा में एक गरीब परिवार की १३ वर्षीय किशोरी ने गले में फांसी लगा लेने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। दूसरी तरफ सगीर के परिजनों ने उनकी पुत्री पर दुष्कर्म किए जाने का गंभीर आरोप लगाने से खलबली मच गई। घटना की जानकारी मिलने से वासणा पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई थी और पूरे मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद शहर के वासणा के नीलकंठ स्ट्रीट की यह घटना है। जहां वासणा में प्रथमा ब्लड बैंक के पास जडीबानगर में रहती और घर काम करती १३ वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या करके मौत को गले लगा लिया। हालांकि इस मामले में मृतक किशोरी के परिजनों ने एक युवक पर आरोप लगाया है कि, उसने मृतक किशोरी पर दुष्कर्म किया गया। जिसकी वजह से किशोरी ने आत्महत्या कर ली है। अब इस मामले में किशोरी के परिजनों ने किशोरी की लाश स्वीकार करने से मना कर दिया है। मृतक किशोरी के परजिनों के अनुसार, किशोरी जब घर काम करने गई थी तब युवक घर में अकेला था और उसने घर में कोई न होने का लाभ उठाकर १३ वर्षीय किशोरी पर दुष्कर्म किया। दूसरी तरफ, वासणा पुलिस ने मृतक किशोरी की लाश को पोस्टमोर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

युवक के हाथ से 50 हजार का मोबाइल छीना

सूरत। अडाजण भुलकाभवन तीन रास्ता के पास से गत रोज रात को पैदल जा रहे युवक के हाथ से बाइक पर आए दो अज्ञातों ने 50 हजार रुपए की कीमत का मोबाइल झपट लिया और फरार हो गए।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अडाजण भुलकाभवन संध्या दर्शन एपार्टमेन्ट में रहनेवाले दिलीप सिंह सुबेदार सिंह क्षत्रिय गत रोज रात में पौने दस बजे अपने घर पैदल चलकर जा रहे थे। ऐसे में भुलका भवन तीन रास्ता से वंदन रेस्टोरन्ट के बीच बाइक पर आए दो अज्ञातों ने उनके हाथ से 50 हजार रुपए की कीमत का मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गए।

वैष्णोदेवी दर्शन को गई सूरत की बस को दुर्घटना

दुर्घटना में २ लोगों की मौत हुई और २४ लोग घायल

जम्मू कश्मीर के कठुआ में जम्मू-पठानकोट हाईवे पर बस डिवाइडर के साथ टकराने के बाद पलट गई

अहमदाबाद। वैष्णोदेवी दर्शन करने गई गुजरात की बस को कश्मीर में दुर्घटना हुई है। जम्मू-पठानकोट हाईवे पर बस पलटने से दो लोगों की मौत हुई है। २४ लोग घायल होने की जानकारी मिली है। सूरत के भक्त वैष्णोदेवी दर्शन के लिए गये थे। वह दर्शन करने के बाद वाघा बॉर्डर की तरफ जाने के लिए निकले थे। इस मामले में भक्तों को मदद पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने भी जम्मू सरकार के साथ संपर्क साधा है और यात्रियों को अच्छे में अच्छी सुविधा मिले ऐसा बताया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के कई भक्त वैष्णोदेवी दर्शन करने के लिए निकले थे। २५ भक्त जय गणेश देवा टूर्स एंड ट्रावेल्स की बस नंबर ज के ०२ सीबी १८५४ में निकले थे। रविवार को सुबह में पोने दस बजे के करीब गुजरात के यात्री वैष्णोदेवी की यात्रा करके अमृतसर की तरफ जा रहे थे। वह वाघा बॉर्डर की परेड देखने के लिए निकले थे। इस दौरान यह दुर्घटना हुई थी । जम्मू कश्मीर के कठुआ में जम्मू-पठानकोट हाईवे पर बस डिवाइडर के साथ टकराने के बाद पलट गई थी। पुलिस सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, बस दुर्घटना बाद तुरंत घायलों को कठुआ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में १८ घायलों को जम्मू की सरकारी मेडिकल अस्पताल में शिफ्ट कराया गया है। जिसमें ३ लोगों की हालत गंभीर होने का बताया जा रहा है। रमीलाबहन नरेशभाई और मीनाबहन नाम की महिला दुर्घटना में मौत हुई है। यह बस गुजरात के किस शहर की यह अभी जानकारी नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि यह सभी यात्री सूरत तथा इसके आसपास के क्षेत्र के है, वह वैष्णोदेवी दर्शन करने के लिए निकले थे। यह यात्रियों में ३ से ४ एनआरआई होने की जानकारी मिली है।

घायलों को श्रेष्ठ उपचार के लिए रुपाणी की सूचना

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने जम्मू कश्मीर में गुजरात के २५ यात्रियों को हुए सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों को जम्मू के अस्पताल में उपचार के तहत है, उनको जल्दी से श्रेष्ठ उपचार मिले इसकी व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्था करने के लिए मुख्य सचिव और राहत कमिशनर मनोज कोठारी को जम्मू-कश्मीर के प्रशासन के साथ संपर्क में रहकर तुरंत कार्रवाई करने की सूचना दी है। उन्होंने यह दुर्घटना की जानकारी देते हुए कहा कि, सूरत जिले के २५ व्यक्तियों का ग्रुप वैष्णोदेवी गया था वहां से अमृतसर जा रहे यात्री बस पलट जाने से यह दुर्घटना हुई है और २ बहनों की मौत तथा १ व्यक्ति को गंभीर चोटे आयी है। अन्य २२ लोग भी घायल होने से जम्मू कश्मीर अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है।

मोरबी रोड पर कागदडी गांव के पास दुर्घटना

राजकोट क्राइमब्रांच के ASI जयदीपसिंह राणा की मौत

एएसआई के मां-पिता -चचेरा भाई,मौसी सहित को चोटे आई : अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया

अहमदाबाद। राजकोट जिले की मोरबी के कुवाडवा ताबेना कागदडी गांव के पास रात के समय में कार और ट्रक के बीच दुर्घटना हुई थी। इस दुर्घटना में राजकोट क्राइमब्रांच के आसिस्टन्ट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) जयदीपसिंह राजेन्द्रसिंह राणा (उम्र.२७) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। कार में उनके मां-पिता और चचेरा भाई तथा मासी भी थे। जिनको गंभीर रूप से चोटें आई जिसकी वजह से उनको अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया लेकिन जयदीपसिंह राणा को गंभीर रूप से चोटे आई जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई थी। घटना की वजह से पूरे पुलिसबेडा में शोक की लहर फैल गई।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, जयदीपसिंह राणा पहले राजकोट के भक्तिनगर पुलिस स्टेशन में एएसआई थे। इसके बाद चार महीने पहले ही उनको क्राइमब्रांच में नियुक्त किया गया था। उनकी बहन के ससुराल में नलीया में शादी का प्रसंग होने से तथा उनकी मां-पिता -चचेरा भाई, मौसी सहित के लोग वहां उपस्थित होने के लिए गये थे। वहां से वह कार में राजकोट वापस आते समय रात के दो बजे के करीब कागदडी के पास सामने से आ रही ट्रक के साथ कार की दुर्घटना हो गई थी।

अहमदाबाद शहर के दरियापुर लींमडी मुस्लिम मदरेसा में २६ जनवरी को ध्वज वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दूल्हा बने हार्दिक पटेल, किंजल संग लिए सात फेरे

अहमदाबाद। गुजरात के पाटीदार अनामत आंदोलन समिति के नेता हार्दिक पटेल रविवार को शादी के बंधन में बंध गए। सुरेन्द्रनगर के मुली तालुका स्थित दिगसागर गांव में उनकी शादी किंजल पारीख से संपन्न हुई।

सूत्रों के अनुसार हार्दिक ने शादी को बेहद साधारण तरीके से आयोजित की। शादी में करीब १०० लोगों को आमंत्रित किया गया था। इस शादी में दोनों ही परिवारों के करीबी लोग शामिल हुए। बताया जा रहा है कि शादी समारोह पटेल रीति रिवाज के मुताबिक हुई।

हार्दिक पटेल के पिता भरत पटेल ने बताय, हार्दिक और किंजल अहमदाबाद के चांदनगरी गांव में एक ही इलाके में रहते थे और बचपन से ही एक-दूसरे को जानते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अंतरजातीय विवाह नहीं है। भरत पटले ने कहा, किंजल पारीख पटेल हैं और वह हमारे पाटीदार समुदाय से हैं।

बताया जाता है कि किंजल अक्सर हार्दिक के घर आती थी। किंजल और हार्दिक की बहन मोनिका एक साथ पढती थी। भरत पटेल ने कहा, हालांकि किंजल का परिवार सूरत से है लेकिन कुछ पहले वे लोग विरामगाम आ गए थे। किंजल कॉमर्स से ग्रैजुएट है। वह इस समय गांधीनगर से एलएलबी की पढ़ाई कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)